वी.यू. अंतर्गत विश्व अण्डा दिवस के अवसर पर फार्मर फर्स्ट परियोजना के माध्यम से अण्डा एवं कड़कनाथ पालन तकनीकी हस्तांतरण द्वारा पशुपालकों के आत्मनिर्भरता हेतु कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर। आज दिनांक 8 अक्टूबर 2021 को माननीय डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, कुलपति जी, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं मार्गदर्शन से विगत वर्षों से संचालित अखिल भारतीय समन्वित कुक्कुट अनुसंधान परियोजना एवं फार्मर फर्स्ट परियोजना के उद्देश्यों के अनुरूप एकीकृत कृषि प्रणाली अंतर्गत अंगीकृत ग्रामों क्रमशः पड़रिया, सिलुआ, छत्तरपुर, देवरी, कैलवास एवं घाना के 13 पशुपालकों के स्व–सहायता समूहों को म.प्र. की मूल नस्ल कड़कनाथ के 6–8 सप्ताह आयु के 260 कड़कनाथ चूजों का प्रति व्यक्ति 16 मादा एवं 04 नर चूजों एवं अण्डों का वितरण प्रति समूह क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में "कड़कनाथ पालन तकनीकी हस्तातरंण कार्यक्रम" सोशल डिस्टेंशिंग से सम्पन्न हुआ। जिसके माध्यम से प्रदेश में पशुपालकों, कृषकों एवं छात्रों में अण्डो की महत्ता का जन जागरूकता के साथ–साथ कड़कनाथ नस्ल के मुर्गे–मुर्गीयों का संरक्षण व संर्वधन तो होगा ही, साथ ही उत्तम, पौष्टिक एवं औषधीय गुणवत्ता युक्त अण्डा उत्पादन होगा, जिसके परिणामस्वरूप पशुपालकों के स्वास्थ्य सुधार, आय वृद्धि के साथ–साथ वे सामाजिक व आर्थिक स्तर पर आत्मनिर्भर हो सकेंगे। माननीय कुलपति जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि दलहन अनाज की दालो से प्रोटीन की उपलब्धता तथा अंडो में प्रोटीन की महत्ता पर प्रकाश डाला और एकीकृत कृषि प्रणाली के अंतर्गत कृषि के साथ–साथ पशुपालन व मुर्गीपालन हेतु प्ररित करते हुये, अंगीकरण करने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में डॉ. सुनील नायक, संचालनालय विस्तार शिक्षा व कुक्कुट विभाग के डॉ. एस.एस. अटकरे, प्रभारी विभागाध्यक्ष, डॉ. गिरिराज गोयल, डॉ. हरि.आर, प्रमुख अन्वेषक, फार्मर फर्स्ट परियोजना, डॉ.लक्ष्मी चौहान, सहा.प्राध्यापक, स्नात्कोतर छात्र–छात्राओं की गरिमामयी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस कार्यक्रम में श्री आशीष यादव व श्री विजय चौकसे क्षेत्र सहायक, श्री बालक दास राजपूत, एवं श्री सुमित बिरहा, एवं अंगीकृत ग्रामों के स्थानीय कृषकों व पशुपालकों का सक्रिय सहयोग एवं उपस्थिति प्रशंसनीय रही। कार्यक्रम का संचालन संचालन डॉ. अनिल कुमार गौर, पूर्व प्रमुख अन्वेषक, फार्मर फर्स्ट परियोजना एवं आभार प्रदर्शन श्री देवेश उपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता, फार्मर फर्स्ट परियोजना द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.,जबलपुर (म.प्र.)